संसद सदस्यों ने संसद पर आतंकवादी हमले की बरसी के अवसर पर शहीदों को श्रद्धांजलि दी

नई दिल्ली, 13 दिसंबर, 2020: उप-राष्ट्रपति एवं राज्य सभा के सभापति, श्री एम. वेंकैया नायडू; प्रधान मंत्री, श्री नरेन्द्र मोदी और लोक सभा अध्यक्ष, श्री ओम बिरला के नेतृत्व में आज राष्ट्र ने 13 दिसंबर, 2001 को आतंकवादी हमले से संसद की रक्षा करते हुए अपने प्राणों की आहुति देने वाले शहीदों को श्रद्धांजलि दी।

केन्द्रीय गृह मंत्री, श्री अमित शाह; रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह; केन्द्रीय सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्री श्री थावर चन्द गेहलोत; राज्य सभा में नेता प्रतिपक्ष श्री ग़ुलाम नबी आज़ाद; राज्य सभा उप सभापति श्री हरिवंश, तथा केंद्रीय संसदीय कार्य, भारी उद्योग एवं लोक उद्यम राज्य मंत्री श्री अर्जुन राम मेघवाल ने भी शहीदों को श्रद्धासुमन अर्पित किए।

श्रद्धांजलि देने वाले व्यक्तियों में अनेक केन्द्रीय मंत्री; संसद के वर्तमान और पूर्व सदस्य व अन्य विशिष्टजन भी शामिल थे।

लोक सभा के महासचिव, उत्पल कुमार सिंह और राज्य सभा के महासचिव, श्री देश दीपक वर्मा ने भी श्रद्धासुमन अर्पित किए।

इस अवसर पर लोकसभा अध्यक्ष श्री ओम बिरला ने 'दी शौर्य अनबाउंड' नामक पुस्तक के हिंदी और अंग्रेजी संस्करण का विमोचन भी किया। जिसमें, उन वीरों की शौर्यगाथाएं शामिल हैं जिन्होंने 2001 में हुए संसद हमले को विफल करने में अनुकरणीय वीरता का परिचय दिया था। सुश्री नीतू, डीआईजी सीआरपीएफ और बी एम दिनाकरन, डीआईजी सीआरपीएफ इस पुस्तक के लेखक हैं। यह पुस्तक केवल ऑपरेशन की कार्रवाई तक ही सीमित नहीं है, बल्कि इन वीरों के व्यक्तिगत जीवन और भावनाओं तक पहुँचती हैं।

स्मरणीय है कि वर्ष 2001 में इसी दिन राज्य सभा सचिवालय के सुरक्षा सहायक, श्री जगदीश प्रसाद यादव और श्री मातबर सिंह नेगी; के.रि.पु.ब. में कांस्टेबल, श्रीमती कमलेश कुमारी; दिल्ली पुलिस में सहायक उप-निरीक्षक, श्री नानक चंद और श्री रामपाल; दिल्ली पुलिस में हेड कांस्टेबल, श्री ओम प्रकाश, श्री बिजेन्द्र सिंह और श्री घनश्याम तथा के.लो.नि.वि. में माली, श्री देशराज ने आतंकवादी हमले से संसद की रक्षा करते हुए अपने जीवन का बलिदान दिया था।

सर्वश्री जगदीश प्रसाद यादव, श्री मातबर सिंह नेगी और श्रीमती कमलेश कुमारी के निःस्वार्थ बलिदान के सम्मान में उन्हें मरणोपरांत अशोक चक्र से अलंकृत किया गया था। सर्वश्री नानक चंद, रामपाल, ओम प्रकाश, बिजेन्द्र सिंह और घनश्याम को मरणोपरांत कीर्ति चक्र से अलंकृत किया गया था।